

टडिडी दल

[स्रोत: द हिंदू](#)

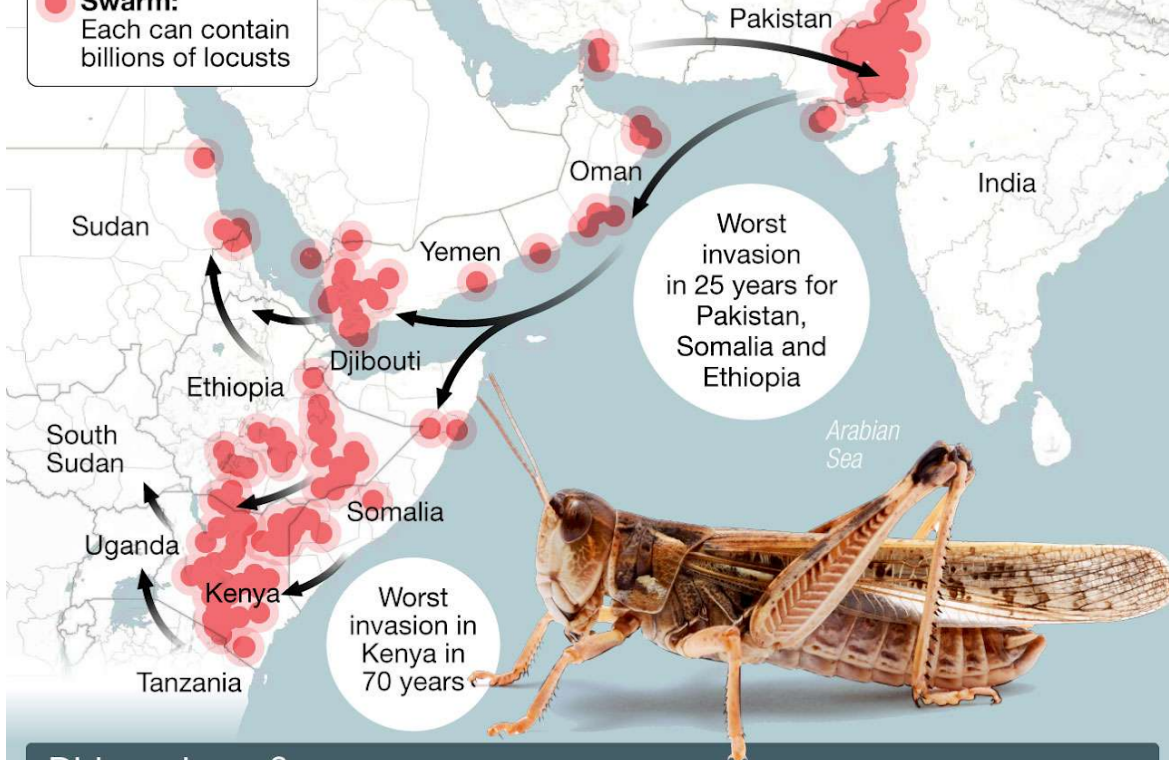
एक नए अध्ययन से पता चला है कि [टडिडी दल](#) यादृच्छिक व्यवहार से नहीं, बल्कि सिंज्जानात्मक नरिणय लेने वाले मॉडल द्वारा नरिदेशति होते हैं। टडिडे अपनी गति के लिये अनेक दृश्य संकेतों का उपयोग करते हैं, जिससे वकिंदरति नरिणय-प्रक्रिया के माध्यम से समन्वति दल बनते हैं। यह मॉडल दल के व्यवहार का पूर्वानुमान लगाने और प्रारंभिक हस्तक्षेप रणनीतियों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

टडिडियाँ

- टडिडियाँ एक प्रकार के तृण-भोजी परगि (Grasshopper) हैं जो [\[?/?/?/?/?/?/?/?/?/?\] \(Acrididae\) \[?/?/?\]](#) से संबंधति हैं। रेगसितानी टडिडियों (*Schistocerca Gregaria*) को सबसे वनिशकारी प्रवासी कीट माना जाता है।
- टडिडियाँ तब तक एकांतवासी कीट होती हैं, जब तक कि उनमें **समूहीकरण** नामक परिवर्तन नहीं आ जाता, जिसके बाद वे अधिक सामाजिक हो जाते हैं और बड़े दलों में एकत्र होते हैं।
 - एक छोटे दल (1 वर्ग कमी) में **80 मिलियन टडिडियाँ** हो सकती हैं, जो एक दिन में 35,000 लोगों के बराबर भोजन खा जाती हैं, जबकि **एक बड़ा दल 1.8 मिलियन मीटरकि टन वनस्पति** खा सकता है।
- टडिडियाँ प्रवासी कीट हैं जो दल में सैकड़ों किलोमीटर तक उड़ने में सक्षम हैं। वे एक सीमा पार के कीट हैं जो अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के बीच यात्रा करते हैं।
- भारत का अनुसूचति रेगसितानी क्षेत्र, जिसमें राजस्थान, गुजरात और हरियाणा राज्य शामिल हैं, 2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, विशेष रूप से टडिडियों के आक्रमण के प्रति संवेदनशील है, जो प्रायः अफ्रीका और खाड़ी जैसे क्षेत्रों से आते हैं।
 - भारत में **रेगसितानी टडिडी** (*Schistocerca Gregaria*), **प्रवासी टडिडी** (*Locusta Migratoria*), **बॉम्बे टडिडी** (*Nomadacris Succincta*), और **दरी टडिडी** (*Anacridium Sp.*) रिपोर्ट की गई है।
 - भारत का **टडिडी चेतावनी संगठन**, राजस्थान और गुजरात में 10 टडिडी सरकलि कार्यालयों के साथ मिलकर अनुसूचति रेगसितानी क्षेत्र में राज्य सरकारों के समन्वय से रेगसितानी टडिडियों की नगरानी, सर्वेक्षण और नयितरण करता है।

Locust plague devastation

Swarm:
Each can contain
billions of locusts



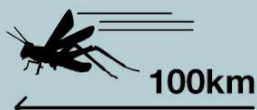
Did you know?



Locusts can eat their own bodyweight in food each day



A swarm can be made up of more than 50 billion individual insects



A swarm can travel up to 100km in a day - eating everything in its path



Without intervention, a plague can last years



Weather plays a major role in plagues:

locusts gather in one place during dry spells. When the rain returns, an increase in food and breeding results in numbers exploding



और पढ़ें: [रेगसितानी टड्डियों का दल](#)